संगम

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै की गृह पत्रिका

द्वितीय संस्करण

कार्यालय की विगत 5 वर्षों की स्वीकृतियां एवं संवितरण

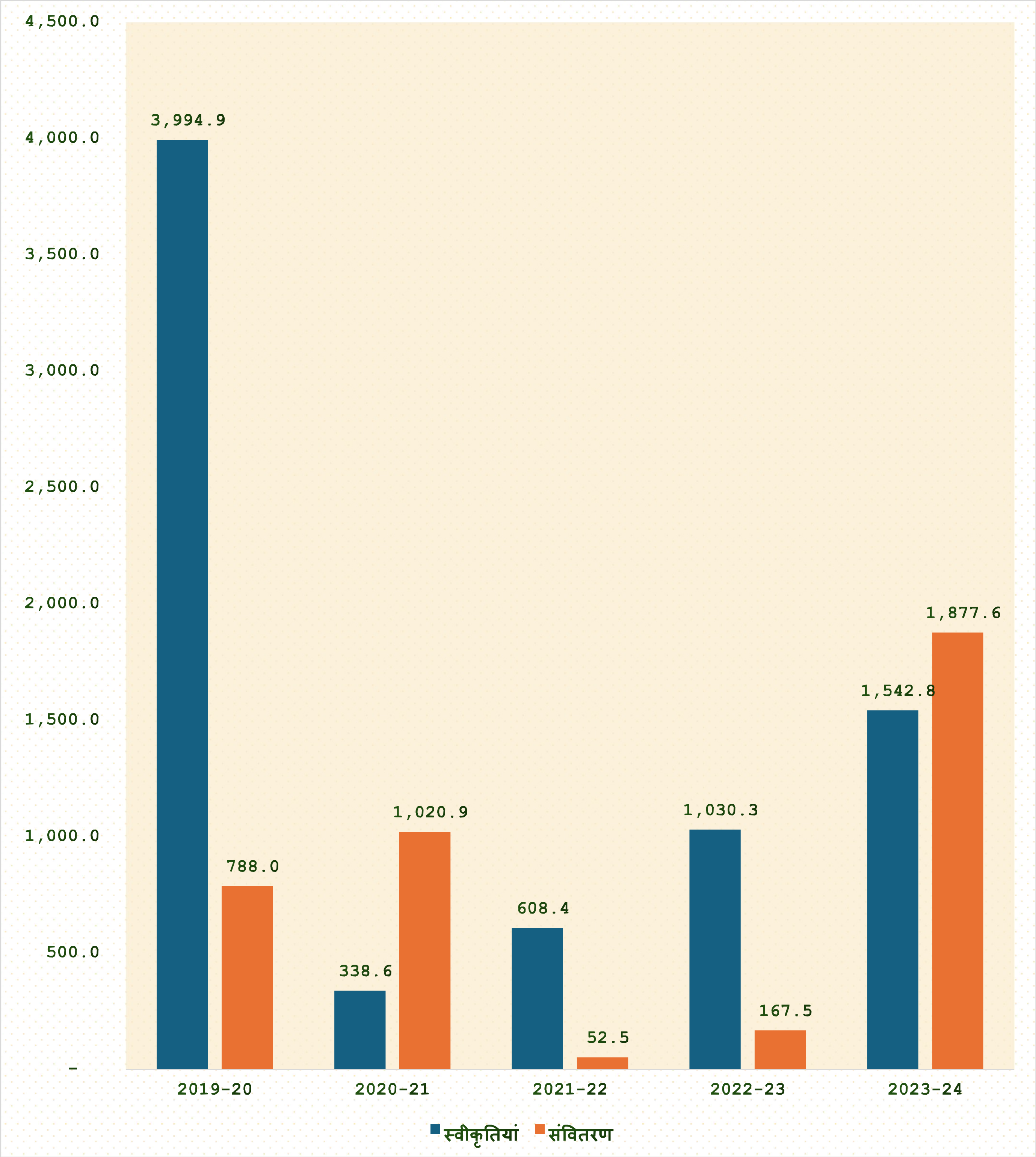

संगम - *हडको क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै की गृह पत्रिका*

द्वितीय संस्करण

संरक्षक

वी.टी. सुब्रहमणियन
क्षेत्रीय प्रमुख, चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय

सम्पादक
नरेन्द्र कुमार
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)

सह-संपादक
पी.जी. जयश्री

प्रबन्धक सचि., चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय

विशेष आभार
ए. उमा

संयुक्त महाप्रबंधक आई.टी., चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय

सहयोग
चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्मिक

पत्र व्यवहार का पता
क्षेत्रीय प्रमुख
5 वीं मंजिल, तालमुत्तु नटराजन बिल्डिंग
1, गांधी इर्विन रोड, एगमोर, चेन्नै
ई मेल : cro@hudco.org
वेब साइट : www.hudco.org.in

निशुल्क वितरण के लिए

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हडको का संदेश
निदेशक का. प्ला., हडको का संदेश
निदेशक वित्त, हडको का संदेश
प्रमुख सतर्कता अधिकारी, हडको का संदेश
क्षेत्रीय प्रमुख, चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय का संदेश
संपादकीय

क्र. सं.	शीर्षक
1.	क्षेत्रीय कार्यालय की उपलब्धियां : एक नज़र
2.	अध्यक्ष तथा निदेशक महोदय का चेन्नै दौरा
3.	चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संचालित सीएसआर गतिविधियां
4.	स्वच्छता
5.	सतर्कता जागरूकता समारोह का आयोजन
6.	आजादी का अमृत महोत्सव
7.	कार्यालय की विगत राजभाषा गतिविधियां और चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय को नरकास से पुरस्कार सहित
8.	*चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय* में हडको कारोबार
9.	तमिलनाडु और पुदुचेरी में हडको वित्तपोषण से निर्माण
10.	पुदुचेरी में हडको परामर्शी गतिविधियां
11.	हडको ऋण समाधान
12.	कार्यालय में आयोजित विविध गतिविधियां
13.	हडको डिज़ाइन अवार्ड : पुरस्कृत
14.	प्रविष्टियाँ प्रधानमंत्री आवास योजना : हडको अनुभव
15.	सरफेसी अधिनियम
16.	संस्मरण : चेन्नै में इंडियन रेसिंग फ़ेस्टिवल
17.	लेख : जीवन चलने का नाम
18.	3 अधिकारियों द्वारा स्लोगन/नैतिक कहानी
19.	तस्वीर - पुरानी यादें
20.	लेख: हडको में ई-ऑफिस प्रणाली
21.	अतीत के झरोखे से : मेरी कोडईकनाल यात्रा

पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए संबन्धित लेखक उत्तरदायी है |

कॉर्पोरेट विजन

जनमानस के आजीविका बदलाव के लिये सुदृढ़ पर्यावास विकास को बढ़ावा देते हुए अग्रणी तकनीकी-वित्तीय संगठनो में स्थान बनाना

कॉर्पोरेट मिशन

जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए सुदृढ़ पर्यावास विकास को बढ़ावा देना

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का सम्बोधन

भाषा, वर्णों के शाब्दिक रूपाकार का व्याकरणिक सामंजस्य मात्र नहीं होती। भाषा में किसी समाज विशेष के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विकास का एक्य भाव समाहित रहता है। यह कहना समीचीन होगा कि अपनी भाषा से अपनेपन के विचार का अविर्भाव स्वत: निसृत होता है।

चिन्तन, चिंता से सर्वथा उत्तम रहा है। जब लम्बे विचार मंथन के उपरान्त हिंदी को राजभाषा का संवैधानिक दर्जा प्राप्त हो गया है, तो इस दायित्व के निर्वहन से इतर कुछ भी विचारणीय नहीं रह जाता।

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय अपनी गृह पत्रिका "संगम" के द्वितीय अंक का प्रकाशन कर रहा है। मैं इस बात से पूर्णत: आश्वस्त हूँ कि राजभाषा के उत्तरोतर विकास में किए गए हमारे प्रयास निश्चित तौर पर भावी सफलता का सोपान बनेंगे। इस प्रयास के लिए क्षेत्रीय कार्यालय के नेतृत्वकर्ता एवं समस्त कार्यकर्ता कार्मिकों को मेरा साधुवाद।

संजय कुलश्रेष्ठ

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सम्बोधन

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय अपनी गृह पत्रिका "संगम" का प्रकाशन कर रहा है । हिंदी को राजभाषा बनाने में दक्षिण भारत के अप्रतिम योगदान को कभी भी झुठलाया नहीं जा सकता । अतीत में दक्षिण भारत के दिए गए दायित्व का वर्तमान में भी निर्वाह करने के लिए इस तरह के प्रयास सराहनीय है ।

पत्रिका प्रकाशन के सफल प्रयास के लिए सम्पादक मंडल की प्रशंसा की जाती है ।

एम.नागराज

एम नागराज

निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग)

सम्बोधन

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से गृह पत्रिका "संगम" के दूसरे अंक का प्रकाशन किया जा रहा है. विभिन्न भाषाएं बोलने वाले हर भारतवासी को आपसी सम्पर्क के लिए एक सरल भाषा की जरूरत रहती है और हिंदी भाषा ने सम्पर्क साधने में योगदान देने के कार्य को बड़ी कुशलता के साथ निभाया है. हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसे अधिकांश भाषा भाषी जानते हैं तथा समझते हैं.

हिंदी पत्रिका के प्रकाशन से चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय अपने संवैधानिक दायित्व का बड़ी कुशलता से निर्वाह कर रहा है. इसके लिए कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की जाती है.

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी ओर से अनेक शुभकामनाएं

दलजीत

दलजीत सिंह खत्री
निदेशक वित्त

सम्बोधन

मुझे यह सूचना प्राप्त कर अत्यधिक खुशी हुई है कि हडको का चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय “संगम” पत्रिका के दूसरे संस्करण का प्रकाशन कर रहा है । गृह पत्रिकाओं के प्रकाशन से कार्यालय के सभी कर्मचारियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है और कार्यालय की उपलब्धियां दूसरों तक पहुँचती हैं । इस दृष्टि से चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय बधाई का पात्र है ।

आशा करता हूँ कि भविष्य में भी कार्यालय अपनी गतिविधियों को इसी प्रकार पारदर्शी तरीके से प्रस्तुत करता रहेगा ।

शुभकामनाओं सहित ।

विनीत गुप्ता

प्रमुख सतर्कता अधिकारी

क्षेत्रीय प्रमुख महोदय का सम्बोधन

एक सरकारी कम्पनी होने के नाते हडको से अपनी स्थापना के कारोबारी उद्देश्यों के साथ-साथ अन्य अनेक दायित्वों के निर्वाह की भी अपेक्षा की जाती है । इन्ही दायित्वों में एक बड़ा दायित्व राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार का भी है । कार्य सरल या कठिन हो सकता है परन्तु मेहनत के आगे असंभव नहीं होता । दक्षिण भारत में हिंदी का स्थान, स्थानीय भाषाओँ के आगे तुलनात्मक रूप में छोटा हो सकता है, पर शून्य नहीं है । आम जन की सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी अपना सम्मानजनक स्थान रखती है । इसी सम्मान में वृद्धि करते हुए चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय की गृह पत्रिका के द्वितीय अंक का संस्करण आपके समक्ष रखते हुए प्रसन्नता है ।

अपने नाम के अनुकूल पत्रिका में अनेक विषयों का राजभाषा हिंदी के माध्यम से संगम स्थापित करने का प्रयास किया गया है ।

आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका में आमंत्रित लेखों के स्थान पर कार्मिकों के मूल लेख और कलेवर सुधिजन पाठकों को रुचिकर लगेंगे ।

वी टी सुब्रमण्यन

कार्यकारी निदेशक

संपादकीय

निश्छल अज्ञान, उच्छिष्ट ज्ञान से कहीं अधिक पवित्र होता है। यूं भी ओस चाटने से कभी प्यास नहीं बुझती और कब तक बैसाखियों के सहारे दौड़ को जीतने का भ्रम मन में पाले बैठे रहेंगे। अनुवाद के सहारे कार्यालयों में छपने को लालायित कार्यालयी साहित्य, राजभाषा का लेशमात्र भी भला न कर सकेगा। भाड़े पर इधर उधर से खरीदे प्रतिष्ठित लेखों से कार्यालयों में राजभाषा की समृद्ध पूंजी तो तैयार न की जा सकेगी। आंकड़ों के सहारे राजभाषा की बेल कितनी ऊँचाइयाँ छू सकेगी, यह बात आशातीत हो सकती है, परंतु इसकी वास्तविकता भयावह ही होगी।

स्थिति अभी हाथों से परे नहीं, लेकिन विचारणीय अवश्य है। राजभाषा की समृद्धि के लिए तैनात राजभाषा अधिकरियों को भी अपराध मुक्त नहीं किया जा सकता। कब तक मानसिकता को बदलने का रोना रोया जाता रहेगा। अंतत किसान को स्वयं ही खेत जोतना पड़ता है। क्यूँ आज अकेला चना भाड़ फोडने में असमर्थ और अशक्त है। क्या हम डंडे के बल पर चलने की आदत न छोड़ सकेंगे। राजभाषा पखवाड़ा के स्थान पर प्रत्येक दिवस हिन्दी दिवस बनाने के लिए एकला चलो सिद्धांत की समसामयिक आवश्यकता विचारणीय है।

नई दिल्ली में आयोजित हडको स्थापना दिवस के अवसर पर वर्ष 2023-24 के लिए चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय को “श्रेष्ठ क्षेत्रीय कार्यालय” के पुरस्कार का सम्मान

अध्यक्ष तथा निदेशक महोदय का चेन्नै दौरा - दिसम्बर, 2023

प्रमुख एजेंसियों एवं तमिलनाडु सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

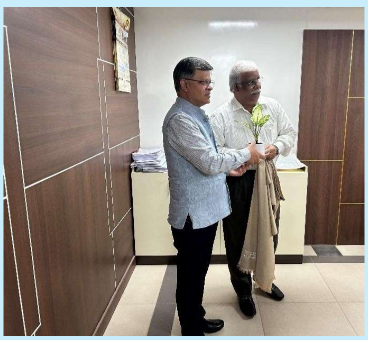

पुदुचेरी सरकार के माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय गवर्नर के साथ बैठक

चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संचालित सीएसआर गतिविधियां

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन:एक रिपोर्ट

हडको की सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई ने 21/06/2024 को प्रेसीडेंसी गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, चेन्नई में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। हुडको की स्वतंत्र निदेशक श्रीमती सबिता बोजान ने दैनिक जीवन में योग के महत्व के बारे में प्रेरक भाषण के साथ योग सत्र का उद्घाटन किया और योग सत्र में भाग लिया।

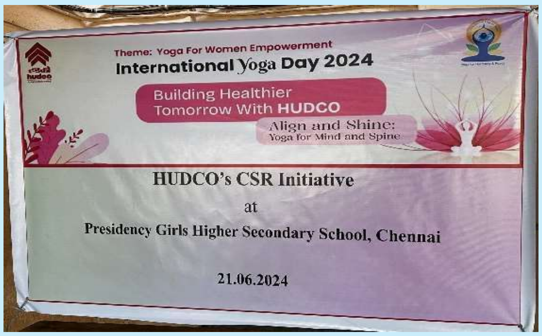

डॉ. रंजीत, बीवाईएनएस, एमडी, सरकारी योग और प्राकृतिक चिकित्सा मेडिकल कॉलेज, अरिग्नार अन्ना गवर्नमेंट हॉस्पिटल फॉर इंडियन मेडिसिन, चेन्नई ने हाउस सर्जन की अपनी टीम के साथ स्कूल के छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक वार्तालाप योग सत्र का आयोजन किया ।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती रामालक्ष्मी ने आपसी संवाद के इस योगसत्र के लिए हडको प्रबंधन को धन्यवाद दिया और स्वीकार किया कि यह सत्र छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद रहा है ।

योग कार्यक्रम की झलकियाँ

PRESIDENCY GOVERNMENT GIRLS HIGHER SECONDARY MODEL

तमिलनाडु के पांच जिलों (चेन्नई, कोयंबटूर, इरोड, नीलगिरी और कुड्डालोर) के लिए दिव्यांगजनों को सहायता और सहायक उपकरणों की आपूर्ति

1. **इरोड में एलिम्को वितरण शिविर**

   हडको की सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई ने भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) और जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग, इरोड जिला, तमिलनाडु के सहयोग से 26/2/24 को इरोड के कलाईमगल कालवी निलयम में एक वितरण शिविर का आयोजन किया। शिविर कई लोगों के लिए आशा की किरण था, क्योंकि कुल 12.91 लाख रुपये के138 सहायक उपकरण (व्हील चेयर, एल्बो बैसाखी, बी/एल केएएफओ, श्रवण यंत्र) 103 बच्चों में वितरित किए गए, जिससे विशेष रूप से विकलांग बच्चों को सशक्त बनाया गया और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। श्रीमती सबिता बोजान, स्वतंत्र निदेशक, हडको, श्री टी संपत, मुख्य शिक्षा अधिकारी, इरोड जिला, श्रीमती रेवती, प्रधानाध्यापिका, कलईमगल कालवी निलयम (सरकारी स्कूल), इरोड, श्री प्रभु, ऑर्थोटिक तकनीशियन, जिला प्रशासन, इरोड, एलिम्को से श्री ऋषभ मेहरोत्रा और श्री शिवकुमार और क्षेत्रीय प्रमुख, चेन्नई ने जेजीएम (प्रोजेक्ट्स-सीएसआर) के साथ भाग लिया और सक्षम बच्चों के लिए सहायक उपकरणों को वितरित किया।

बिहार भारत का पहला राज्य था जिसने उर्दू को हटाकर **हिंदी** को अपनी आधिकारिक भाषा घोषित किया।

2. **कुड्डालोर में एलिम्को वितरण शिविर:**
कुड्डालोर के लिए, वितरण शिविर का आयोजन 02.07.2024 को जिला कलेक्ट्रेट, कुड्डालोर में किया गया था। 59 लाभार्थियों को उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए 28.12 लाख रुपये मूल्य के कुल 67 सहायक उपकरण [मोटराइज्ड व्हील चेयर, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और एक्सिला क्रच (एम)] वितरित किए गए। श्रीमती सबिता बोजन, स्वतंत्र निदेशक, हडको, जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग, कुड्डालोर जिले के अधिकारी, एलिम्को और क्षेत्रीय प्रमुख के साथ हडको के अधिकारियों ने भाग लिया और विशेष रूप से सक्षम बच्चों को सहायक उपकरण वितरित किए।

3. **कोयंबटूर में एलिम्को वितरण शिविर:**
कोयंबटूर के लिए, 24.09.2024 को स्टार स्पेशल स्कूल, सिंगनल्लूर, कोयंबटूर में वितरण शिविर आयोजित किया गया। 66 लाभार्थियों को 5.38 लाख रुपये मूल्य के कुल 102 सहायक उपकरण (व्हील चेयर, कोहनी बैसाखी, रोलटर, ब्रेल स्लेट और बीटीई श्रवण यंत्र) वितरित किए गए। श्रीमती सबिता बोजन, स्वतंत्र निदेशक - हडको, जिला प्रशासन - कोयंबटूर जिला, एलिम्को और कार्यकारी निदेशक हडको, संयुक्त महाप्रबंधक (परियोजनाएं), हडको ने भाग लिया और विशेष रूप से सक्षम बच्चों को सहायक उपकरण वितरित किए।

प्रसिद्ध कवि अमित खुसरो पहले लेखक थे जिन्होंने **हिंदी** में पहली कविता की रचना की और उसे प्रकाशित किया।

स्वच्छता 2.0

डॉ. अम्बेडकर हायर सेकेंडरी स्कूल, एग्मोर चेन्नई में कर्मचारियों द्वारा सफाई

विशेष अभियान 3.0

02.10.2023 से 31.10.2023 तक स्वच्छता को संस्थागत बनाना और लंबित मामलों को न्यूनतम करना - 01.10.2023 को एक घंटे का श्रमदान

फुटपाथ साफ करने से पहले (एग्मोर रेलवे स्टेशन रोड) और कचरा साफ करने के बाद:

सतर्कता जागरूकता समारोह का आयोजन

हडको मुख्यालय निर्देशों के अनुरूप चेन्नै क्षेत्री कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचरियों को कार्यालयी कार्यों में पारदर्शिता के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 का आयोजन किया गया। कार्यालय में यह कार्यक्रम 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 के दौरान आयोजित किया गया। इस वर्ष की दी गई थीम पर एनसीएलटी के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रस्तुति दी गई। रामकृष्ण मिशन के स्वामीजी द्वारा नैतिक मूल्यों पर सत्र लिया गया। हडको सिस्टम में अपेक्षित सुधार के लिए ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया।

30/10/2023 – सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा

गणमान्य व्यक्तियों के संदेशों को पढ़ना

पीडीओ और पीबीडीओ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह का आयोजन (30.10.2023 – 05.11.2023)

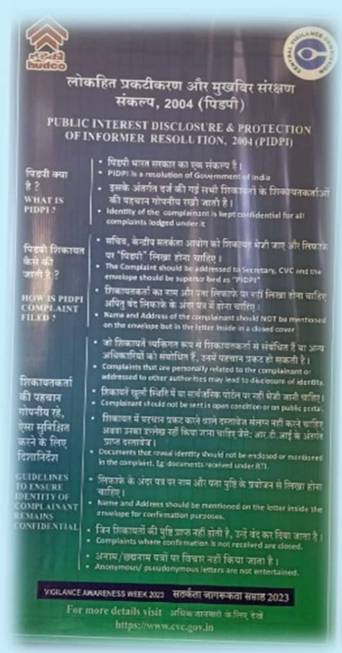

आजादी का अमृत महोत्सव

हडको चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय ने सोशल मीडिया अभियान के रूप में 27.07.2022 को क्षेत्र के विकास में अपने योगदान पर तमिल में 4 मिनट का वीडियो जारी किया।

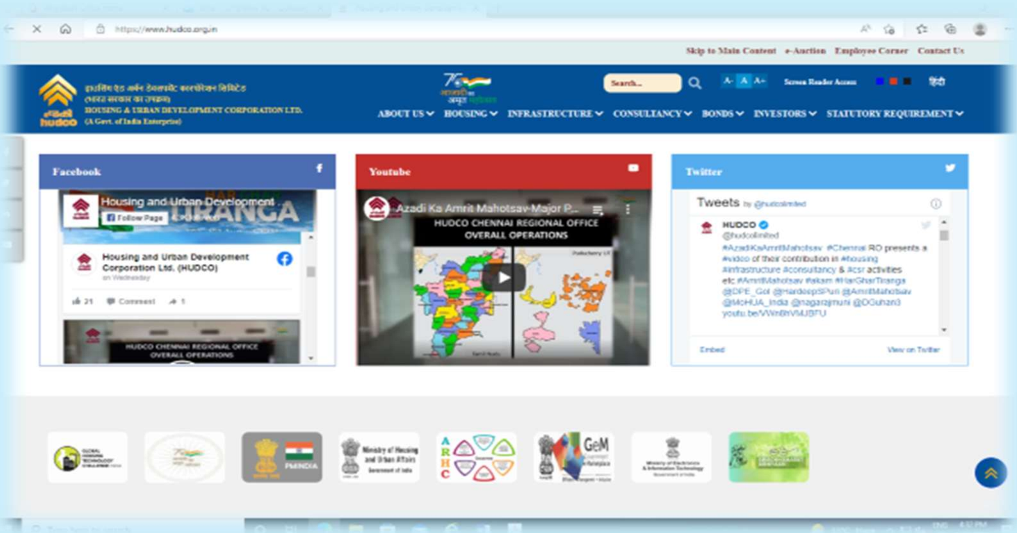

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन द्वारा अनुरक्षित बेसेंट नगर पार्क में लगाए गए पौधे

आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर12.06.2022 को ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन द्वारा बनाए गए बेसेंट नगर पार्क में पौधे लगाए गए

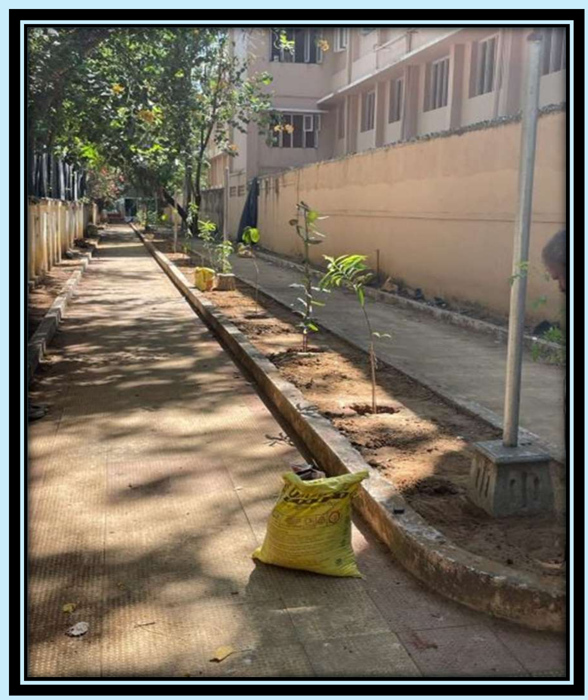

हिन्दी और नेपाली दोनों भाषाएँ देवनागरी लिपि का अनुसरण करती हैं।

चिकित्सा शिविर:

हडको से चिकित्सा शिविर आयोजित करने के लिए चुने गए कार्यालयों में से एक था। तदनुसार, चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय ने सरकारी योग और प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, अरुंबक्कम, चेन्नई के सहयोग से 24 अप्रैल 2023 को टीएन बिल्डिंग टॉवर-1, एग्मोर, चेन्नई में चिकित्सा शिविर आयोजित किया।

चिकित्सा शिविर में जनता, चेन्नई महानगर विकास प्राधिकरण, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, तेल और प्राकृतिक गैस लिमिटेड के आगंतुक व्यक्तियों सहित 146 व्यक्तियों ने भाग लिया।

चिकित्सा शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का पंजीकरण किया गया तथा पंजीकृत प्रत्येक व्यक्ति की लम्बाई, वजन, बीएमआई, रक्त शर्करा, रक्तचाप आदि की जांच की गई तथा उन्हें डॉक्टरों द्वारा आहार, जीवन शैली में परिवर्तन, विश्राम तकनीक तथा एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और योग आदि जैसी विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के बारे में परामर्श के लिए भेजा गया।

अंत में प्रतिभागियों को पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग सरल व्यायाम और योगा सिखाया गया।

प्रतिभागियों को ब्राउन शुगर के साथ नींबू पुदीने का जूस और अंकुरित अनाज, प्याज, टमाटर और मूंगफली से बना संतुलित आहार दिया गया।

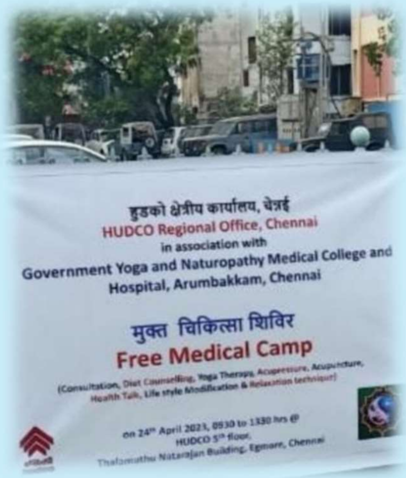

हिंदी भाषा में 'अ', 'अन' और 'द' जैसे आर्टिकल की

कार्यालय की विगत राजभाषा गतिविधियां

पिछले 3 वर्षों से चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित त्रैमासिक कार्यशाला में शामिल विषयों का सार

क्र.सं.	तिमाही समाप्ति	विषय
1	**सितंबर 2021**	व्याकरण को ध्यान में रखते हुए, हिंदी में सरल नोट्स कैसे लिखें सरल हिंदी शब्द और उसके अर्थ तमिल व्यंजन की तुलना के साथ सभी हिंदी व्यंजनों के उच्चारण का सत्र
2	**दिसंबर 2021**	हिंदी में बुनियादी व्याकरण सीखने" और "हिंदी में त्रुटियों से बचने
3	**मार्च 2022**	"हिंदी शब्द और उसके अर्थ
4	**जून 2022**	हिन्दी - राजभाषा क्यों, राजभाषा से इंटरनेट की भाषा - विकास, कार्यालय में राजभाषा गतिविधियाँ, संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण. रा.भा.का.स. की बैठकें - महत्व व प्रमुख मुद्दे
5	**सितंबर 2022**	अनुस्वार" अनुनासिक, हिंदी में अंक, हिंदी में समय" सरल व्याकरण और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद आधिकारिक हिंदी प्रयोग शब्दों
6	**दिसंबर 2022**	-
7	**मार्च 2023**	राजभाषा अधिनियम की आवश्यकता, चार महत्वपूर्ण राजभाषा नियम 1976, राजभाषा को बढ़ावा देने में संसदीय समिति के दौरे की भूमिका, हिंदी सहित अतिरिक्त भाषाओं को सीखने का महत्व
8	**जून 2023**	राजभाषा अधिनियम 1976 की धारा 3(3), राजभाषा नियम 1976 के नियम 5, प्रारंभिक पत्राचार की परिभाषा, हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर और मूल पत्राचार में अंतर, कामकाजी ज्ञान और दक्षता की परिभाषा हडको की कार्यप्रणाली पर हिंदी में एक शब्दीय प्रश्न एवं उत्तर सत्र
9	**सितंबर 2023**	सरल टिप्पण वाक्यों और संबंधित शब्दावली पर चेन्नई आरओ में 22.09.2023 को एक घंटे की कार्यशाला का आयोजन किया। संकाय ने अधिकारियों से हिंदी के वाक्य पढ़ने को कहा। उन्होंने उक्त वाक्य में उपयोग किए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द उद्धृत किए। हिंदी वाक्यों में 'का, के, की', 'रा, रे, री', 'चाहिये' और अंक और समय पर एक घंटे की ऑनलाइन कार्यशाला
10	**दिसंबर 2023**	हिंदी शब्दावली, सरल क्रियाओं के साथ वाक्य का मिलान और भाषा में महारत हासिल करने के बारे में एक इंटरैक्टिव कार्यशाला
11	**मार्च 2024**	सरल व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से हिंदी समझने और बोलने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक इंटरैक्टिव कार्यशाला
12	**जून 2024**	आवाज टाइपिंग

हिंदी पखवाडा 2023 समारोह की तस्वीरें

समूह प्रतियोगिता

व्यक्तिगत प्रतियोगिता

व्यक्तिगत प्रतियोगिता

प्रतियोगिता

कार्यशाला

कार्यशाला

कार्यशाला

समापन समारोह

हिंदी एक SOV (विषय-वस्तु-क्रिया) भाषा है, जिसका अर्थ है कि क्रिया वाक्य के अंत में आती है।

चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय को नरकास से पुरस्कार

चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय,चेन्नई नाराकास (उपक्रम) का सदस्य है, जिसमें 59 सदस्य कार्यालय शामिल हैं। क्षेत्रीय प्रमुख, हिंदी नोडल अधिकारी के साथ सभी चेन्नई नाराकास (उपक्रम) बैठकों में भाग लेते हैं। चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय के हिंदी नोडल अधिकारी ने सदैव नाराकास की कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं में भागीदारी सुनिश्चित की है। वर्ष 2023-24 के दौरान, दो अधिकारियों ने दो अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया और एक अधिकारी को शब्दावली प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार मिला।

चेन्नई नाराकास (पीएसयू) की 13वीं अर्धवार्षिक बैठक 03.01.2024 में चेन्नै कार्यालय प्रमुख की भागीदारी

चेन्नई नाराकास (पीएसयू) की 14वीं अर्धवार्षिक बैठक 04.09.2024 में चेन्नै कार्यालय प्रमुख की भागीदारी

"अनुवाद" का 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

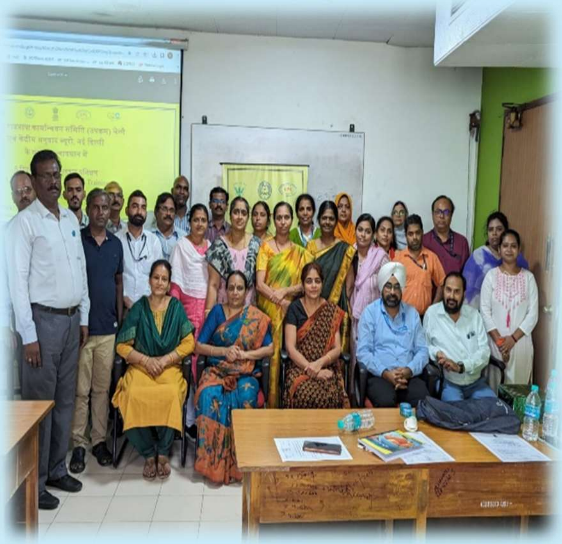

नराकास (उपक्रम) चेन्नई द्वारा आयोजित कार्यशाला एवं अध्ययन दौरा

ऑनलाइन शब्दावली प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार

पिछले वर्षों की नराकास कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं में हडको की भागीदारी

दि.04.08.2022 को हडको कार्यालय आयोजित हिंदी अंत्याक्षरी एवं हिंदी गायन प्रतियोगिता शुभारंत करते हुए डॉ ए वी राव, सदस्य-सचिव

दि.04.08.2022 को हडको कार्यालय आयोजित हिंदी अंत्याक्षरी एवं हिंदी गायन प्रतियोगिता में अतिथि भाषण देते हुए श्रीमती गायत्री, मुख्य प्रबंधक, हडको

चेन्नै नराकास (उपक्रम) द्वारा आयोजित एक दिवसीय राजभाषा कार्यशाला

चेन्नई/दक्षिण भारत

यहां चेन्नै नराकास(उपक्रम) तत्वावधान में सोमवार को एक दिवसीय राजभाषा कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता भारतीय खाद्य निगम आंचलिक कार्यालय के कार्यकारी निदेशक (दक्षिण) एवं चेन्नई नराकास उपक्रम के अध्यक्ष जीत सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि नराकास मंच से सभी हिन्दी अधिकारियों को अपना विचारों का आदान-प्रदान करें और उन्होंने कहा कि राजभाषा के कार्यान्वय में हिन्दी अधिकारियों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

इस कार्यशाला में सदस्य कार्यालयों से कुल 47 अधिकारी/कर्मचारीगण ने भाग लिया। कार्यशाला में पधारे का स्वागत सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) के डॉ. एवी राव ने किया।

इस कार्यशाला का पहला सत्र एयर इंडिया के सहायक प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. आर रमीला द्वारा लिया गया। उन्होंने तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन भरने के विषय में जानकारी दी। उन्होंने सुलभ संदर्भ हेतु हर श्रोताओं के लिए पाठ्य सामग्रियों का वितरण की।

दूसरा सत्र डॉ. एवी राव द्वारा लिया गया जिसमें आईटी टूल्स के माध्यम से हिन्दी में टंकण के विषय पर विस्तृत जानकारी दी। भारत सरकार के विभिन्न स्त्रोतों जो हिन्दी में काम करने हेतु टंकण हो या चाहे अनुवाद करने की बात हो उसे अच्छी तरह समझाया।

तीसरा सत्र इंडियन बैंक के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं बैंक नराकास के सचिव अजयकुमार ने लिया। जिसमें संसदीय राजभाषा प्रश्नावली भरने से संबंधित सभी तरह की जानकारी दी। चौथा सत्र खुला सत्र रहा जिसमें मद्रा परमाणु बिजली घर के उपप्रबंधक (राजभाषा) एमके राव, भारतीय नौवहन निगम लि. के मुख्य प्रबंधक एमपीसिंह, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के प्रबंधक (राजभाषा) जी शा ने राजभाषा कार्य संबंधी अपने अपने विचार प्रकट कए। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. रंज ए बावस्कर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

Tue, 15 March 2022

चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय में हडको कारोबार (31.08.2024 को)

	तमिलनाडु, पुडुचेरी और पोर्ट ब्लेयर	
	संचयी	चालू वर्ष
स्वीकृत परियोजनाएं		
कुल	2380	
आवास और अन्य	2106	
शहरी इन्फ्रा	274	2
स्वीकृत ऋण राशि (करोड़ रुपए में)		
कुल	21407.20	2491.32
आवास	3935.74	
शहरी इन्फ्रा	17471.26	2491.32
जारी ऋण राशि (करोड़ रुपए में)		
कुल	20751.62	2655.00
आवास	3933.56	
शहरी इन्फ्रा	16818.06	2655.00
हडको निवास		
यूनिटों की सं.	23410	
स्वीकृत ऋण राशि *(करोड़ रुपए में)*	952.73	
जारी ऋण राशि *(करोड़ रुपए में)*	952.73	
स्वीकृत मकानों की सं.	1530838	
पीएमएवाई की स्थिति पीएमएवाई का सीएलएसएस (शहरी) स्वीकृति *(करोड़ रुपए में)*	184.19 8066 लाभार्थी	
सीएसआर *(लाख रुपए में)*		
संचयी स्वीकृति	1127.58	
संचयी अवमुक्ति	703.94	
प्राप्त यूसी	528.00	
लंबित यूसी	161.47	
परामर्श शुल्क *(लाख रुपए में)*	1362.02	

हिंदी इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार के इंडो-आर्यन प्रभाग से संबंधित है।

तमिलनाडु में हडको वित्तपोषण से निर्माण

पहला **हिंदी** टाइपराइटर 1930 में बनाया गया था।

14 सितंबर 1949 को **हिंदी** को भारत संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था। इसे मनाने के लिए, हम 14 सितंबर को "**हिंदी** दिवस" मनाते हैं

पुदुचेरी में हडको की परामर्श गतिविधियाँ -

ए पी दीना, सं.म.प्र (प), पुडुचेरी विकास कार्यालय

सरकार की शहरी विकास, आवास और सामाजिक कल्याण गतिविधियों को मजबूत करने में हडको की भागीदारी

हडको ने परामर्श और वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए सरकार की मदद की है। पर्यटन विभाग के लिए वित्त वर्ष 2005-06 में शुरू की गई परामर्श परियोजना - थिरुनलार टेम्पल टाउन के लिए मास्टर प्लान की तैयारी से हमारी गतिविधियों में तेजी आई। इस परियोजना का परियोजना वित्तपोषण और परामर्श गतिविधियों दोनों में कई गुना प्रभाव पड़ा है और हडको अपनी स्थायी छवि बनाने में सक्षम हुआ है।

इस तरह की ब्रांड वैल्यू के परिणामस्वरूप हडको को नामांकन के आधार पर अधिक परामर्श परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं। परामर्श परियोजनाओं का क्षेत्र विविध प्रकृति का है। आंतरिक कौशल में अधिकांश गतिविधियों, जैसे वास्तुशिल्प डिजाइन और वास्तुशिल्प चित्रों की तैयारी, इंजीनियरिंग विवरण और अनुमान एवं एजेंसी के लिए टेंडर दस्तावेज़ बनाने और अनुमान लगाने में सहायता देना है ।

शुरू की गई कुछ प्रमुख परामर्शी परियोजनाएँ इस प्रकार हैं:

तिरुनल्लर मंदिर नगर विकास के लिए मास्टर प्लान

पहले: अस्थायी कतार प्रणाली

4.325 वर्ग किलोमीटर विस्तार वाला तिरुनल्लर मंदिर शहर पुडुचेरी के एक परिक्षेत्र कराईकल में स्थित है। प्रसिद्ध भगवान दरबारेश्वर मंदिर यहीं स्थित है। 2.5 वर्षों में, जब शनि ग्रह एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो "सानिपेयार्ची महोत्सव" मनाया जाता है और इसमें दस लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल होते हैं और अगले 6/7 शनिवार के दौरान लगभग 17 लाख लोग आते हैं। इसके अलावा साल भर में हर सप्ताहांत लगभग 1-2 लाख तीर्थयात्री मंदिर में आते हैं।

बाद में:सभी सुविधाओं के

2005 में, हडको ने टेम्पल टाउन के लिए 9.8 लाख रुपये के परामर्श शुल्क का मास्टर प्लान तैयार करने के लिए प्रतिस्पर्धी बोली जीती थी।

पुदुचेरी में हडको की परामर्श गतिविधियाँ -

मास्टर प्लान ने 20 वर्षों की अवधि के लिए शहर की आवश्यक सामाजिक, आर्थिक, बुनियादी ढांचे और पर्यटन सुविधाओं का समाधान किया गया और तीर्थयात्रा सुविधाओं के लिए पहचाने गए घटक जैसे परिसर में लाइन, आवास सुविधाएं, तीर्थयात्रा सुविधाएं (विश्राम कक्ष, शौचालय, टिकट काउंटर और कियोस्क); और पवित्र तालाबों का कायाकल्प किया गया। 86 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाओं को प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के रूप में चुना गया। इनमें से हडको ने 10 चिन्हित परियोजनाओं की डीपीआर तैयार कर ली है।

इस प्रकार यह परियोजना 147 करोड़ की परियोजना में और 2.19 करोड़ की फीस वाली परामर्श परियोजना में बदल गई। वर्तमान में 7 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, 1 चालू है और 2 को भारत सरकार से धन प्राप्त होने के बाद शुरू किया जाना है।

पुदुचेरी में अनुसूचित जाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभार्थियों के लिए घरों का निर्माण

यह योजना आदि-द्रविड़ कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2008-09 में शुरू की गई थी। इस योजना की लक्षित जनसंख्या सामाजिक रूप से वंचित लोग थे जो गरीबी रेखा से नीचे हैं। हडको को संपूर्ण परियोजना के लिए डीपीआर तैयार करने के कार्य के लिए नामित किया गया था। 19 नियोजित लेआउट में बुनियादी बुनियादी सुविधाओं वाली 1496 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया गया ।

सभी मकान चिन्हित लाभार्थियों को आवंटित हैं और उनके स्वामित्व में हैं। 2 नक्शों के लिए परियोजना वित्तपोषण में जेएनएनयूआरएम फंड और हडको सहायता के साथ अंतराल पूर्ति वित्तपोषण शामिल था और ग्रामीण क्षेत्रों में 17 नक्शों के लिए वित्तपोषण हडको परियोजना सहायता के तहत लिया गया था। परियोजना की कुल लागत 180.46 करोड़ है, जिसमें हडको की 88.46 करोड़ रुपये की सहायता शामिल है। इस परियोजना के लिए अर्जित परामर्श शुल्क 2.4 करोड़ था।

पुदुचेरी में हडको की परामर्श गतिविधियाँ -

पुदुचेरी में बॉटनिकल गार्डन का नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण

2011 में हडको ने पर्यटन विभाग द्वारा आमंत्रित प्रतिस्पर्धी बोलियों में भाग लिया था और 18.05 लाख रुपये की परामर्श शुल्क के लिए सफलतापूर्वक परियोजना कार्य प्राप्त किया गया। 12 हेक्टेयर की कुल सीमा के साथ ले जार्डिन बोटानिक की स्थापना 1826 में फ्रांसीसी बस्ती के रूप में की गई थी। जब डीपीआर तैयार की जा रही थी, जनवरी 2012 में घातक ठाणे चक्रवात ने पुदुचेरी को तबाह कर दिया और बॉटनिकल गार्डन पर चक्रवात का गंभीर प्रभाव पड़ा।150 साल पुराने कई पेड़ उखड़ गए और लगभग 90 प्रतिशत वनस्पति नष्ट हो गई। परियोजना की लागत 8.89 करोड़ रुपये है और हडको ने पौधों की दुनिया में आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए मौजूदा लेआउट के भीतर विभिन्न तत्वों और सौंदर्य सुविधाओं से बगीचे के मनोरंजक सह शैक्षिक मूल्यों को और बढ़ाने में सहायता की है।

पुदुचेरी में हडको की परामर्श गतिविधियाँ -

यानम में डॉ. बी आर अम्बेडकर विज्ञान केंद्र का निर्माण

2016 में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती मनाने के लिए आदि द्रविड़ कल्याण विभाग, पुदुचेरी सरकार ने यानम में 4.98 करोड़ की परियोजना लागत के साथ डॉ. बी.आर. विज्ञान भवन के निर्माण का प्रस्ताव दिया था। यह कार्य नामांकन के आधार पर हडको को सौंपा गया था। यह भवन समाज के वंचित वर्गों के युवाओं को समर्पित था और यह एक पुस्तकालय के रूप में और शिक्षा के उच्च क्षेत्रों में रुचि

रखने वाले युवाओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए काम करेगा। पुडदुचेरी के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा भवन का उद्घाटन 6 जनवरी 2021 को किया गया और इसे जनता के लिए खोल दिया गया है । इस परियोजना से 9.5 लाख का परामर्श शुल्क अर्जित हुआ है।

इसके भीतरी हिस्से को अच्छी तरह से सुसज्जित किया गया है और छात्रों और युवाओं के लिए सही माहौल तैयार किया गया है। यानम जिला प्रशासन, पुदुचेरीसरकार द्वारा इसके लिए सभी प्रयास किए गए और इसमे पुडदुचेरी के विभिन्न कॉर्पोरेट संगठनों के सीएसआर फंड की सहायता मिली है।

पुदुचेरी में हडको की परामर्श गतिविधियाँ

तिरुनल्लर, कराईकल में आध्यात्मिक पार्क का निर्माण

जलीय पौधों से प्रभावित थमराई कुलम
Eutrophication

हडको पुदुचेरी विकास कार्यालय को भारत सरकार के "स्वदेश दर्शन के आध्यात्मिक सर्किट" कार्यक्रम के तहत पुदुचेरी में प्राथमिकता वाले छह आध्यात्मिक स्थलों के लिए आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट विकास योजना को डिजाइन करने के लिए परामर्श परियोजना से सम्मानित किया गया था। यह परियोजना पर्यटन विभाग, पुदुचेरी सरकार द्वारा शुरू की गई थी।

कराईकल जिले के तिरुनल्लार का आध्यात्मिक पार्क, प्रारम्भ की गई एक प्रमुख परियोजना थी। इस स्थान पर एक पवित्र तालाब - थमराई कुलम/लोटस तालाब था। यह जलीय पौधों के प्रभाव में था और थिरुनलार मास्टर प्लान प्रोजेक्ट के तहत कायाकल्प के लिए चुना गया था।

यह पार्क नक्षत्रों के महत्व से संबंधित सभी आध्यात्मिक अनुभवों को एकीकृत करके बनाया गया था। कमल के फूल की अवधारणा को प्रवेश द्वार पर दर्शाया गया है, जिसमें बाह्यदल और पंखुड़ियों को चरणबद्ध प्लांटर्स के रूप में उपयोग किया जाता है और मध्य में एक सौंदर्यपूर्ण क्षेत्र है।

हर्बल गार्डन आध्यात्मिक रूप से पांच इंद्रियों को जागृत करेगा। दर्शक मार्ग, काल्पनिक गूगल मानचित्र से बनाए गए नक्षत्र लघु मंदिरों के साथ-साथ चलता है और मंदिरों के बीच की सटीक दूरी को दर्शाता है। अध्यात्म स्थल, कमल कली की एक रूपक छवि है और ध्यान साधना के लिए शांत एवं एकांत स्थान प्रदान करती है। स्थल विशेष का एक विशेष महत्व है, जो सद्भाव और ध्यान को जागृत करता है। संरचना का व्यास 18.5 मीटर और ऊंचाई 17.5 मीटर है। संरचना में स्टील ढांचा है,

जिसमें संरचना को कवर करने वाली दोहरी परत है। प्राकृतिक प्रकाश और वायु के लिए जगह बनाई गई है ।थमराई कुलम को एक कैंटिलीवर घास से बने खुले एम्फीथिएटर के रूप में पुनर्निर्मित किया गया है, जिसमें घास वाली सीढ़ियों का उपयोग आगंतुकों के बैठने के लिए किया जा सकता है। प्रवेश द्वार पर एक मंडप स्थित है जो टिकट काउंटर और आगंतुकों को प्राकृतिक भोजन परोसने का काम करता है। आसान पहुंच के लिए शौचालय की सुविधा भी केंद्र में स्थित है।

हडको ऋण समाधान - आर मुरुगेसन, म.प्र.(विधि)

आईबीबीआई विनियमन 2016 के तहत 209 करोड़ रु.की वसूली
(चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय की योजना संख्या 19686)

चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय ने 2009 के दौरान तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में 1200 मेगावाट का कोयला आधारित बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए मेसर्स कोस्टल एनर्जेन प्राइवेट लिमिटेड को 250 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया था। यह फंडिंग 14 बैंकों/वित्तीय संस्थानों की भागीदारी से की गई थी। भारतीय स्टेट बैंक इसका अग्रणी ऋणदाता था। हडको ने 04.01.2010 से 26.07.2012 की अवधि के दौरान प्राप्त लीड लेंडर्स पुष्टिकरण नोटिस के आधार पर 21 किश्तों में 250 करोड़ रुपये का संपूर्ण ऋण जारी किया था । यूनिट-1 का वाणिज्यिक संचालन 23.12.2014 को और यूनिट-2 का 15.01.2016 को शुरू हुआ।उधारकर्ता ने TANGEDCO के साथ 15 वर्षों के लिए 558 मेगावाट का बिजली खरीद समझौता किया था। ऋण की प्रतिभूति के लिए कंसोर्टियम ऋणदाताओं के साथ समान आधार पर परियोजना संपत्ति का बंधक शामिल है।

परियोजना के चालू होने के बावजूद, इक्विटी डालने में देरी, परियोजना लागत में वृद्धि और उधारकर्ता द्वारा मूल रूप से परिकल्पित परियोजना के लिए मेगा पावर स्थिति की अनुपलब्धता के कारण ऋणदाताओं का डिफ़ॉल्ट शुरू हो गया। उधारकर्ता को परिचालन से नकदी प्रवाह के साथ ऋण दायित्वों को पूरा करना मुश्किल हो रहा था क्योंकि यूनिट-2 से उत्पन्न बिजली किसी भी विशिष्ट पीपीए दस्तावेजों द्वारा समर्थित नहीं थी और टैंजेडको के साथ हस्ताक्षरित मौजूदा पीपीए से प्राप्तियों की वसूली में भी देरी हो रही थी।

नियामक के निर्देशों के अनुरूप, कंसोर्टियम द्वारा 8249.13 करोड़ रुपये की राशि का दावा करते हुए डीआरटी के समक्ष वसूली कार्यवाही शुरू की गई, जिसमें 23.11.2018 तक हडको का 460.96 करोड़ रुपये का दावा शामिल है। उक्त कार्यवाही निर्णय के अधीन है। यह परियोजना समाधान योजना के तहत 4 बोली प्रक्रियाओं से गुजरी है, यानी कंसोर्टियम ऋणदाताओं को वसूली प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए दो खुली बोली और दो स्विस चुनौतियां। सभी असफल रहे। 3100 करोड़ के निपटान के लिए हडको और टीएमबी को छोड़कर सभी ऋणदाताओं द्वारा सहमत एक ओटीएस प्रस्ताव भी विफल हो गया क्योंकि 100% ऋणदाताओं की सहमति उपलब्ध नहीं थी, इसके अलावा हडको ने एनसीएलटी के समक्ष आईबीसी के तहत वसूली कार्रवाई का निर्णय लिया। 23.11.2020 को, कंसोर्टियम ऋणदाताओं की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वसूली मामले को एनसीएलटी में आगे बढ़ाया जाना चाहिए और तदनुसार धारा 7 के तहत लीड ऋणदाता द्वारा पहले से दायर एनसीएलटी मामले को 04.02.2022 को स्वीकार किया गया था। हडको ने 03.02.2022 को आईआरपी के समक्ष 729.52 करोड़ रुपये का दावा दायर किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। हालाँकि कॉर्पोरेट देनदार (सीडी) ने एनसीएलटी की कार्यवाही के खिलाफ एनसीएलएटी से स्थगन प्राप्त कर लिया।अंततः 06.1.2023 को स्टे हटा लिया गया और रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) ने सीआईआरपी के तहत आगे की प्रक्रिया शुरू की। आरपी ने 18 सीओसी बैठकें आयोजित कीं, जिसके दौरान दिवालियापन दिवालियापन संहिता 2016 के उचित अनुपालन में आरपी द्वारा कॉर्पोरेट देनदार को चालू चिंता के रूप में कार्यात्मक बनाया गया था।

हिंदी को मंदारिन, चीनी, स्पेनिश और अंग्रेजी के बाद दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली पहली भाषा माना जाता है

अदानी पावर लिमिटेड के साथ मिलकर डिकी अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा प्रस्तुत संकल्प योजनाओं को एच1 के रूप में चुना गया था। एच1 द्वारा प्रस्तुत योजना के अनुसार, एनसीएलटी द्वारा समाधान योजना के अनुमोदन के 60 दिनों के भीतर 3330.88 करोड़ रूपए का अग्रिम भुगतान किया जाएगा। हडको के सक्षम प्राधिकारी ने 15.12.2023 को अदानी पावर लिमिटेड के साथ मिलकर डीएआईटी द्वारा प्रस्तुत योजना को मंजूरी दे दी और तदनुसार हडको ने ई-प्रक्रिया के माध्यम से एच1 के पक्ष में मतदान पूरा किया।आरपी ने सूचित किया कि 14 ऋणदाताओं में से टीएमबी को छोड़कर अन्य सभी ने एच1 के पक्ष में मतदान किया है अर्थात एच1 के पक्ष में 97.80% वोटिंग शेयर प्राप्त किया गया था और योजना की स्वीकृति के लिए आवश्यक आवेदन 27.12.2023 को माननीय एनसीएलटी को इसकी मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया था। 12ए प्रस्ताव

(ओटीएस) प्रस्तुत करने वाले असफल उधारकर्ता ने सीओसी द्वारा अस्वीकृति को एनसीएलटी के समक्ष चुनौती दी है। 30.08.2024 को विस्तृत तर्क और सुरक्षित लेनदारों के वाणिज्यिक ज्ञान को स्वीकार करते हुए, एनसीएलटी ने अदानी पावर लिमिटेड के साथ मिलकर डिकी अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा प्रस्तुत योजना को मंजूरी दे दी और उधारकर्ताओं के चुनौती आवेदनों को खारिज कर दिया।

सफल समाधान आवेदक (एसआरए) ने 31.08.2024 को ऋणदाताओं को भुगतान भेज दिया है और सुरक्षित ऋणदाता के रूप में हडको को 6.29% के वोटिंग शेयर के आधार पर अपने हिस्से के लिए 209.37 करोड़ रुपये की राशि दी गई थी।इसके बाद, ऋणदाताओं द्वारा एनसीएलटी की कार्यवाही से उत्पन्न होने वाले भविष्य के मुकदमों से बचाव के लिए 10 करोड़ रुपये का एक कॉर्पस फंड बनाने का निर्णय लिया गया और हुडको ने 62.85 लाख रुपये के अपने हिस्से का योगदान दिया और एनसीएलटी की कार्यवाही से 31.08.2024 को शेष 208.74 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की। हडको गारंटरों के खिलाफ पहले से ही शुरू की गई अपनी वसूली कार्यवाही जारी रखेगा और इस संबंध में, लंबित कार्यवाही में उचित न्यायालय / न्यायाधिकरण में बकाया दाखिल करने के लिए सीईपीएल योजना के ऋण खाते को एचओ में ऋण लेखा विंग द्वारा अलग से बनाए रखा जा सकता है।

एनसीएलटी कार्यवाही के माध्यम से 250 करोड़ रुपये की मूलधन राशि वाले ऋण खाते के लिए हडको बहियों में पहले से ही किए गए 100% प्रावधान के प्रति 209.37 करोड़ रुपये की राशि को वापिस डाला जाएगा।

भारतीय संविधान के भाग XVII में राजभाषा में बताया गया है। अनुच्छेद 343 के तहत संघ की राजभाषा को मंजूरी दी गई है, जिसमें देवनागरी लिपि **में हिंदी** और अंग्रेजी शामिल है।

कार्यालय में आयोजित विविध गतिविधियां

यादगार गणतन्त्रता दिवस 2024 के आयोजन मेंभाग लेने के लिए तमिलनाडु से आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के विशिष्ठ अतिथि

हडको को पीएमएवाई (शहरी) लाभार्थियों और नगर निगम की महिला कर्मचारियों, जिन्हें गणतंत्र दिवस समारोह 2024 के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, के लिए बोर्डिंग, आवास, यात्रा, रहने, भोजन आदि जैसी सभी व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया गया था।
कार्यालय ने 12 सदस्यों के लिए लॉजिस्टिक सहायता की व्यवस्था की।निमंत्रण और व्यवस्था के लिए आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, पीएमएवाई-यू टीम और हडको के प्रति उनका आभार।

25.04.2024 को नई दिल्ली में आयोजित हडको स्थापना दिवस समारोह के दौरान चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय अधिकारियों को दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार

चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय में खेल दिवस का आयोजन

17.02.2024 को लैंडमा पल्लव बीच रिज़ॉर्ट में खेल दिवस मनाया गया। इसमें चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्मिकों और उनके परिवार सदस्यों ने भाग लिया।

इस दौरान अनेक इनडोर, आउटडोर खेलों का आयोजन किया गया और अधिकारी अपने साथ अच्छी यादें और पुरस्कार ले कर वापस गए।

चेन्नई में हडको स्थापना दिवस मारोह का आयोजन

11.05.2024 को चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में वार्षिक दिवस मनाया गया। तमिलनाडु के मौसम वैज्ञानिक श्री प्रदीप जॉन विशेष अतिथि थे। उन्होंने "वर्षा और बादल पैटर्न" पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। पिछले सप्ताह अधिकारियों के लिए इनडोर गेम्स आयोजित किए गए थे। परिवार के सदस्यों ने कुछ मजेदार गतिविधियों में भाग लिया।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 1977 में **हिंदी** भाषा के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया तथा संयुक्त राष्ट्र में **हिंदी** भाषा में भाषण दिया।

हडको डिज़ाइन अवार्ड : पुरस्कृत प्रविष्टियाँ 2023-24

चेन्नई स्थित अनेक आर्किटेक्ट् की 3 प्रविष्टियों को हडको डिज़ाइन अवार्ड 2023-24 की विभिन्न श्रेणियों में दूसरे पुरस्कार के लिए चुना गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

"ग्रीन बिल्डिंग" श्रेणी के लिए अनुपमा मोहनराम हरित विकास

"लैंडस्केप योजना और डिजाइन" श्रेणी के लिए रविकुमार एंड एसोसिएट्स

गंगा दिलीप आर्किटेक्ट को "लागत प्रभावी ग्रामीण/शहरी आवास के लिए नवीन/उभरती और आपदा प्रतिरोधी प्रौद्योगिकी की तैनाती" के लिए

हिंदी फिजी की आधिकारिक भाषा है। गुयाना, मॉरीशस और त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे अन्य देशों में भी इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है |

प्रधानमंत्री आवास योजना : हडको का अनुभव - आर वैदेही, वरिष्ठ प्रबंधक, सीएलएसएस टीम

"प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) - सभी के लिए आवास" मिशन एक केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) है जो सभी को घर उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से 2015-2022 के दौरान शहरी क्षेत्रों में 2022 तक ईडब्ल्यूएस / एलआईजी / एमआईजी श्रेणियों पात्र परिवार/लाभार्थी के लिए आवास को किफायती बनाती है।

चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय ने भारत सरकार की प्रधान मंत्री आवास योजना की क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना (सीएलएसएस) का सहयोग करने में बहुत सक्रिय भूमिका निभाई है। चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय ने 4 बैंकोंअर्थात सिटी यूनियन बैंक, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, लक्ष्मी विलास बैंक और पुदुवई भारथिअर ग्राम बैंक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे और हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि साझेदारी ने बहुत अच्छा काम किया है और चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय 8071 लाभार्थियों के लिए 184.27 करोड़ रुपये की सब्सिडी की सिफारिश करने में सक्षम रहा है।

योजना का लाभ सीधे जरूरतमंदों और पहली बार घर बनाने वालों को मिलते देखना बहुत रोमांचक था। सीएलएपी पोर्टल के लॉन्च के समय चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय को बैंकरों के साथ-साथ मंत्रालय की ओर से कार्यशालाएं आयोजित करने का अवसर भी मिला। हडको केवल सीएलएसएस के लिए एक विशेष एसएलबीसी की व्यवस्था करने में सक्षम था। इससे एक बहुत समृद्ध अनुभव भी मिला क्योंकि हडको में हमें बैंकरों के साथ मिलकर काम करने का मौका मिला और देश भर के उन ग्राहकों के साथ बातचीत करने का भी मौका मिला जो सब्सिडी के लिए हमारे पास आए थे।

हालाँकि 1.0 योजना 31 मार्च 2022 को बंद कर दी गई थी, लेकिन हमें खुशी है कि सरकार ने पहली बार घर खरीदने वालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए फिर से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) - सभी के लिए आवास 2.0 योजना को लॉन्च किया है। कुल मिलाकर, यह चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय की टीम को भारत सरकार के "सभी के लिए आवास" मिशन के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के रूप में योग्य लोगों को सब्सिडी प्रदान करने और जारी करने में सक्षम होने के लिए एक पूर्ण और संतोषजनक अनुभव देता है।

चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय को भारत सरकार के सर्वोत्तम कार्यक्रमों में से एक में शामिल टीम का हिस्सा होने पर गर्व है।

हिन्दी दिवस पहली बार 1953 में मनाया गया था।

सरफेसी अधिनियम - एस आनंदराज, एस.एम (एफ)

2002 में अधिनियमित वित्तीय संपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, भारत में एक महत्वपूर्ण कानून है जिसका उद्देश्य वित्तीय संस्थानों में बकाया ऋणों की वसूली को सुविधाजनक बनाना और गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों को कम करना है। यह अधिनियम बैंकों और वित्तीय संस्थानों को उधारकर्ताओं द्वारा डिफ़ॉल्ट के मामले में प्रतिभूति हितों को लागू करने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करता है।

सरफेसी अधिनियम का प्राथमिक उद्देश्य बैंकों और वित्तीय संस्थानों को डिफॉल्ट करने वाले उधारकर्ताओं से अपना बकाया वसूलने के लिए सक्रिय उपाय करने के लिए सशक्त बनाना है। प्रतिभूति हित के प्रवर्तन के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करके, अधिनियम का उद्देश्य ऋण वसूली प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और उधारदाताओं के हितों की रक्षा करना है।

सरफेसी अधिनियम भारतीय वित्तीय प्रणाली में अत्यधिक महत्व रखता है क्योंकि यह बैंकों और वित्तीय संस्थानों की ऋण देने से जुड़े जोखिमों को प्रबंधित करने और कम करने की क्षमता को बढ़ाता है। यह संकटग्रस्त परिसंपत्ति से निपटने के लिए अधिक कुशल तंत्र सुनिश्चित करके वित्तीय क्षेत्र की समग्र स्थिरता में योगदान देता है। इसके लाभ :

सक्रिय ऋण वसूली

अधिनियम वित्तीय संस्थानों को अदालती प्रक्रियाओं से जुड़ी देरी को कम करते हुए, ऋण वसूली के लिए त्वरित कदम उठाने का अधिकार देता है।

एनपीए को न्यूनतम करना

सुरक्षित संपत्तियों पर त्वरित कब्ज़ा और बिक्री का अधिकार देता है।

ऋण वसूली को सुव्यवस्थित करना

अधिनियम संकटग्रस्त संपत्तियों के समाधान के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता को समाप्त करके ऋण वसूली प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है।

हितों को संतुलित करना

ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं के बीच संतुलन बनाते हुए, अधिनियम सुरक्षा उपायों और शिकायत निवारण तंत्र को शामिल करके निष्पक्षता सुनिश्चित करता है।

हिंदी की उर्दू, बंगाली, संस्कृत, नेपाली और गुजराती जैसी भाषाओं के साथ कुछ समानताएँ हैं।

वित्तीय स्थिरता में योगदान

एनपीए मुद्दों को हल करते हुए, सरफेसी अधिनियम, वित्तीय प्रणालियों की समग्र स्थिरता में योगदान देता है।

निवेशकों का विश्वास बढ़ाना

ऋण वसूली के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचा आर्थिक विकास के लिए निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है।

देनदारों के पास प्रक्रिया में भाग लेने के सीमित रास्ते हैं। हालाँकि वे ऋणदाताओं द्वारा की गई कार्रवाइयों के खिलाफ अपील कर सकते हैं, लेकिन ध्यान मुख्य रूप से बकाया वसूलने के ऋणदाताओं के अधिकार पर है।

सरफेसी अधिनियम त्वरित समाधानों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ऋणदाताओं को व्यापक अदालती प्रक्रियाओं के बिना तुरंत परिसंपत्तियों पर कब्ज़ा करने की अनुमति देता है, जिसके परिणामस्वरूप ऋण वसूली प्रक्रिया तेज़ होती है।

यह अधिनियम मुख्य रूप से बकाया वसूली के लिए संपत्तियों को सुरक्षित करने और बेचने पर केंद्रित है, जो अधिक सीधा और संपत्ति केंद्रित दृष्टिकोण प्रदान करता है।

निष्कर्षतः सरफेसी अधिनियम भारत में ऋण वसूली परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके प्रावधान वित्तीय संस्थानों को सशक्त बनाते हैं, कुशल वसूली प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाते हैं और ऋणदाताओं और उधारकर्ता के हितों के बीच संतुलन सुनिश्चित करते हैं।

हडको निवास चेन्नई ने इसके तहत मई और जुलाई 2024 में दो आवासीय भूखंड बेचे हैं और 20,46,000/- रुपये की राशि वसूल की है।

पहली **हिंदी** पत्रिका 2000 में प्रकाशित हुई थी। यह वर्ल्ड वाइड वेब पर हिंदी भाषा की शुरुआत थी।

चेन्नै में इंडियन रेसिंग फ़ेस्टिवल - एल. सूर्यालक्ष्मी / उ.प्र (वि)

इंडियन रेसिंग फ़ेस्टिवल का आयोजन 31.08.2024 को चेन्नै में किया गया। चेन्नई एक्शन से भरपूर दौड़ों से रोशनी में चकाचौंध हो गया। नाइट स्ट्रीट रेस की मेजबानी करने की शहर की महत्वाकांक्षी पहल ट्रैक तैयार होने में लगभग आठ घंटे की देरी के बाद (शनिवार) को एक झटके के साथ शुरू हुई। हालाँकि, इंडियन रेसिंग फेस्टिवल सप्ताहांत के आयोजकों ने भीड़ भरे कार्यक्रम के बावजूद दौड़ का पूरा कार्ड पूरा करके इसे ड्राइवरों और प्रशंसकों के लिए एक विशेष रविवार बना दिया।

हालाँकि कार्रवाई दूसरे दिन निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू हुई, लेकिन जब रोशनी शुरू हुई, तो रात के आकाश के नीचे मोटर रेस की मेजबानी करने का महानगर का सपना हकीकत में बदल गया।

ह्यूग बार्टर ने लाइट-टू-फ्लैग जीत के साथ फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप में अपनी बढ़त बढ़ाने के साथ चेन्नई की सड़कों पर आयोजित फॉर्मूला 4 रेस के पहले विजेता के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया।

ऑस्ट्रेलियाई ने अपनी कार को पोल पोजीशन में रखा और दूर तक नौकायन करते हुए अपना प्रभुत्व दिखाया। उनके पीछे, भारत के रूहान अल्वा और अभय मोहन ने पोडियम के शेष चरणों को भरा। पहली F4 रेस में शुरुआती लैप पर एक शुरुआती सेफ्टी कार थी जब ज़कारिया मोहम्मद बाहर हो गए।

जब रेसिंग फिर से शुरू हुई तो बार्टर ने गति को नियंत्रित किया, आधे रास्ते पर पांच सेकंड की बढ़त बना ली, उसके बाद रुहान ने बढ़त बना ली। शीर्ष दो के पीछे, जेडन पारियाट और दिव्य नंदन ने अंतिम पोडियम स्थान के लिए कड़ी मेहनत की।

पारीट ने छठे लैप पर नंदन से तीसरा स्थान हासिल करने के लिए टर्न-1 में सर्वश्रेष्ठ ओवरटेक किया। लेकिन लैप 10 पर, पारीट ने टर्न-19 पर अंतिम कोने में वाइड दौड़ लगाई, जिससे नंदन को पकड़ लिया गया, जिसने पूर्व की कार को क्लिप किया और अभय को पोडियम हासिल करने की अनुमति दी।

दूसरी F4 रेस में, बार्टर, जिसे दूसरी क्वालीफाइंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सबसे अंत में शुरुआत करनी पड़ी, ने चार लैप में 16वें से पांचवें स्थान तक मैदान में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत की ओर थी, लेकिन रुहान का पीछा करते हुए आगे निकल गई और पांचवें स्थान पर पहुंचने से पहले आठवें स्थान पर खिसक गई।

इस बीच, पहली IRL दौड़ ने कुछ शानदार व्हील-टू-व्हील रेसिंग का उत्पादन किया। हालाँकि, दौड़ की स्थायी स्मृति सर्किट पर एक कुत्ते की दृष्टि थी, जिसके कारण थोड़ी देर के लिए निलंबन करना पड़ा।

एक बार रेसिंग फिर से शुरू होने पर, लीडर राउल हाइमन ने चेन्नई स्ट्रीट सर्किट में पहले आईआरएल विजेता बनने के लिए कार्यवाही को विशेषज्ञ रूप से नियंत्रित किया। लेकिन पोल-सिटर गैब्रिएला जिलकोवा, जॉन लैं के स्ट र और एलिस्टर से बांधे रखा। लैंकेस्टर गैब्रिएला के खिलाफ अपनी लड़ाई हार गया जब गैब्रिएला के पिछले टायर पर चोट लग गई और वह सेवानिवृत्त हो गया। अपनी कार को मामूली क्षति के बावजूद, गैब्रिएला ने इसे फिनिश लाइन से आगे बढ़ाया और योंग से आगे दूसरा स्थान हासिल किया।

परिणाम जो भी रहा लेकिन खेल रोमांचकारी रहा और सम्पूर्ण शहर के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। सम्पूर्ण शहर को आनंद की अनुभूति हुई और राज्य को अच्छा खासा राजस्व भी मिला।

जीवन चलने का नाम

50 वर्ष की आयु तक पहुंचना जीवन के खेल में संभावनाओं से भरे एक नए स्तर को खोलने जैसा है। नए शौक और रुचियाँ अपनाने से आपको बहुत खुशी और संतुष्टि मिल सकती है, और शुरुआत करने में कभी देर नहीं होती है। क्या आपको कभी कुछ नया करने का मन हुआ लेकिन आपने सोचा, "शायद मैं इसके लिए बहुत बूढ़ा हो गया हूँ?" यदि हां, तो उन विचारों को एक तरफ धकेलने का समय आ गया है। यदि आप 50 से अधिक उम्र की महिला हैं और सोच रही हैं कि कौन से शौक अपनाए जाएं, तो आपके लिए यह एक सुखद मौका है। आइए 50 से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए तैयार किए गए कुछ अद्भुत शौकों पर एक नजर डालें। ये गतिविधियां न केवल आनंददायक हैं, बल्कि कई शारीरिक सुविधाएं भी प्रदान करती हैं। मानसिक और सामाजिक लाभ। कौन जानता है? हो सकता है कि आप अपने अगले जुनून पर ठोकर खाएँ।

एल. सूर्यालक्ष्मी / उ.प्र (वि)

बागवानी: सुंदरता और शांति का विकास करना

बागवानी एक शाश्वत शौक है जो आपको एक सुंदर और शांत बाहरी स्थान बनाते हुए प्रकृति से जुड़ने की अनुमति देता है। पौधों, फूलों और जड़ी-बूटियों की देखभाल करना एक चिकित्सीय और फायदेमंद अनुभव हो सकता है, साथ ही, यह आपको शारीरिक रूप से सक्रिय रखता है और जब आप अपने बगीचे को फलता-फूलता हुआ देखते हैं तो उपलब्धि की भावना प्रदान करते हैं।

योग और ध्यान: मन और शरीर का पोषण

योग और ध्यान 50 से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए उत्कृष्ट अभ्यास हैं। यह लचीलेपन, संतुलन और मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा देते हैं। ये गतिविधियाँ तनाव को कम करने, नींद की गुणवत्ता में सुधार करने और समग्र कल्याण को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। आरंभ करने के लिए स्थानीय योग कक्षा में शामिल होने या ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करने पर विचार करें।

चित्रकारी और रचनात्मक कलाएँ

अपने भीतर के कलाकार को उजागर करें। 50 की उम्र में ब्रश या पेंसिल उठाना एक खूबसूरत कलात्मक यात्रा की शुरुआत हो सकती है। पेंटिंग, ड्राइंग या अन्य रचनात्मक प्रयासों के माध्यम से अपने कलात्मक पक्ष की खोज करना अविश्वसनीय रूप से संतुष्टिदायक हो सकता है। यह आपको खुद को अभिव्यक्त करने और अपनी रचनात्मकता का लाभ उठाने की अनुमति देता है। आपको एक पेशेवर कलाकार होने की आवश्यकता नहीं है, सृजन का आनंद ही सबसे अधिक मायने रखता है। इतने सारे ऑनलाइन ट्यूटोरियल उपलब्ध होने से, सीखना इतना आसान कभी नहीं रहा। याद रखें, "प्रत्येक कलाकार पहले शौकिया था," जैसा कि राल्फ वाल्डो एमर्सन ने ठीक ही कहा है।

फ़ोटोग्राफ़ी: जीवन के क्षणों को कैद करें

क्या आपने कभी महसूस किया है कि एक पल इतना खूबसूरत था कि उसे जाने नहीं दिया जा सकता था? फोटोग्राफी के साथ, आपको ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है। अपने स्मार्टफ़ोन से शुरुआत करें और जैसे-जैसे आप इसमें महारत हासिल करें, अधिक पेशेवर कैमरों की ओर बढ़ें। आप जल्द ही दुनिया को बिल्कुल नई रोशनी में देखेंगे।

लंबी पैदल यात्रा और प्रकृति की सैर: महान आउटडोर का आनंद लें

यदि आपको बाहर घूमना पसंद है, तो लंबी पैदल यात्रा और प्रकृति की सैर उत्तम शौक हैं। वे सक्रिय रहने, प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने और यहां तक कि समूह पदयात्रा के माध्यम से नए दोस्तों से मिलने का एक शानदार तरीका प्रदान करते हैं। ऐसे रास्ते चुनना सुनिश्चित करें जो आपके फिटनेस स्तर से मेल खाते हों।

पाक कला और पाक संबंधी साहसिक कार्य

रसोई में महारत हासिल करना, खाना पकाना सिर्फ पोषण के बारे में नहीं है; यह एक कला का रूप है। नए व्यंजनों की खोज करना, विभिन्न व्यंजनों के साथ प्रयोग करना और रात्रिभोज पार्टियों की मेजबानी करना रोमांचक और फायदेमंद हो सकता है। अपने पाक कौशल का विस्तार करने के लिए खाना पकाने की कक्षाएं लेने पर विचार करें। चाहे वह कोई नई रेसिपी आज़माना हो या अपना पसंदीदा केक पकाना हो, रसोई एक खेल का मैदान हो सकती है। जैसा कि प्रसिद्ध कहावत है, "खाना पकाना प्यार को प्रदर्शित करना है।" उस प्रेम का कुछ भाग क्यों न फैलाया जाए?

पुस्तक क्लब: साहित्य के माध्यम से जुड़ें

बुक क्लब में शामिल होना पढ़ने के प्रति अपने प्यार को बढ़ाने और समान विचारधारा वाले व्यक्तियों से जुड़ने का एक शानदार तरीका है। यह किताबों पर चर्चा करने, दृष्टिकोण साझा करने और स्थायी मित्रता बनाने का अवसर प्रदान करता है। स्थानीय पुस्तक क्लबों या आभासी क्लबों की तलाश करें जो आपकी रुचियों से मेल खाते हों।

स्वयंसेवी कार्य: समुदाय को वापस दें

स्वयंसेवा आपके समुदाय और उससे परे सकारात्मक प्रभाव डालने का एक सार्थक तरीका है। चाहे आप किसी स्थानीय चैरिटी का समर्थन करना, संरक्षक बनना या पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में शामिल होना चुनते हैं, अपना समय और कौशल का योगदान अत्यधिक फायदेमंद हो सकता है।

लेखन: अपनी कहानियाँ कलमबद्ध करें

क्या आप ऐसे क्षणों से गुज़रे हैं जो किसी उपन्यास के दृश्यों की तरह महसूस हुए हों? अब उन्हें साझा करने का समय आ गया है! चाहे वह कविता के माध्यम से हो, लघु कहानियों के माध्यम से हो, या यहां तक कि अपना खुद का ब्लॉग शुरू करना हो, लेखन उपचारात्मक और संतुष्टिदायक हो सकता है।

DIY शिल्प: प्यार से हस्तनिर्मित

बुनाई से लेकर आभूषण बनाने तक, DIY शिल्प की दुनिया बहुत विशाल है। ये शौक न केवल अनोखी रचनाएँ करते हैं बल्कि उपलब्धि की भावना भी प्रदान करते हैं। बोनस के रूप में, वे वैयक्तिकृत उपहार बनाते हैं!

यात्रा और अन्वेषण: नए क्षितिज खोजें

यात्रा आपके क्षितिज को व्यापक बनाने और अविस्मरणीय यादें बनाने का एक शानदार तरीका है। चाहे आप नए शहरों की खोज कर रहे हों, सड़क यात्रा पर निकल रहे हों, या विदेश यात्रा कर रहे हों, दुनिया खोजे जाने की प्रतीक्षा कर रहे आश्चर्यों से भरी है। मत भूलिए, यात्रा का मतलब महासागरों को पार करना नहीं है; कभी-कभी, रोमांच नजदीक ही इंतज़ार कर रहा होता है। यात्रा करना सिर्फ युवाओं के लिए नहीं है। अधिक समय और शायद अधिक संसाधनों के साथ, यह नई संस्कृतियों और स्थानों की खोज करने का सही समय हो सकता है।

50 की उम्र में सीखना न केवल संभव है बल्कि अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद भी है। वास्तव में, कई महिलाओं को लगता है कि वे अपनी युवावस्था की तुलना में 50 वर्ष की आयु में सीखने के लिए अधिक केंद्रित और प्रेरित हैं। उन्हें इस बात की स्पष्ट समझ है कि उन्हें किस चीज़ में रुचि है और वे अक्सर इसे आगे बढ़ाने के लिए अधिक समर्पित होते हैं। हर दिन कुछ नया सीखें, एक नई भाषा सीखें, बुनना सीखें, कोई वाद्य यंत्र बजाना सीखें और भी बहुत कुछ। एक नई भाषा सीखना एक पुरस्कृत चुनौती है जो आपके दिमाग को तेज रखती है और संचार और समझ के नए अवसर खोलती है। जब संगीत की बात आती है तो उम्र महज एक संख्या है। जैसा कि प्लेटो ने कहा, "संगीत ब्रह्मांड को आत्मा, दिमाग को पंख, कल्पना को उड़ान और हर चीज को जीवन देता है।" ऐसे जादू का हिस्सा बनने की कल्पना करें!

समापन विचार

इन अद्भुत शौकों की बदौलत 50 के बाद का जीवन अविश्वसनीय रूप से संतुष्टिदायक और रोमांचक हो सकता है। चाहे आप प्रकृति को अपनाना चुनें, कला के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करें या पुस्तक क्लबों या स्वयंसेवा के माध्यम से दूसरों से जुड़ें, वहाँ एक शौक है जो आपके लिए एकदम सही है। क्या आपने कभी सोचा है कि कैसे ये शौक सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि नई दोस्ती और अनुभवों के प्रवेश द्वार हो सकते हैं? आप इन शौक के साथ सिर्फ समय बर्बाद नहीं कर रहे हैं; वे आपके जीवन को बेहतर बना रहे हैं। तो आप किस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं? 50 से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए ये नए शौक आज़माएं और देखें कि ये आपके जीवन में कितनी खुशियां ला सकते हैं।

आपका व्यक्तित्व और ऊर्जा यह परिभाषित करती है कि आप कौन हैं !!!!!

भारत में सबसे ज्यादा भाषाएं हैं। पिछले 60 सालों में देश में 250 से ज्यादा भाषाएं पूरी तरह से लुप्त हो गईं।

अनुरोध - जी नागराजन प्र.(वित्त)

भीख मांगकर भी खुद को शिक्षित करें

लेकिन

शिक्षा प्राप्त करने और पद प्राप्त करने के बाद भिक्षा (रिश्वत) न मांगें।

विषय - लोमड़ी और सारस - आर मालती, व. प्र. (सचिवीय)

एक स्वार्थी लोमड़ी ने एक बार एक सारस को रात के खाने के लिए कहा। निमंत्रण ने स्टॉर्क को बहुत खुश किया, और वह समय पर लोमड़ी के घर पहुंची, अपनी लंबी चोंच के साथ दरवाजा खटखटाया। लोमड़ी उसे रात के खाने की मेज पर ले गई और उन दोनों को उथले कटोरे में सूप दिया। वह कोई सूप नहीं खा सकती थी क्योंकि कटोरा उसके लिए बहुत उथला था। दूसरी ओर, लोमड़ी ने जल्दी से अपना सूप लिया। सारस परेशान और चिढ़ गया था, लेकिन उसने इसे नहीं दिखाया। उसने लोमड़ी को सबक सिखाने के लिए अगले दिन रात का खाना खाने के लिए कहा। उसने दो लंबे पतले फूलदानों में सूप भी परोसा। सारस ने फूलदान से सूप पिया, लेकिन लोमड़ी अपनी छोटी गर्दन के कारण ऐसा करने में असमर्थ थी।

लोमड़ी को एहसास हुआ कि उसने गलती की है | **कहानी का नैतिक: कभी स्वार्थी मत बनो।**

स्वर्णिम स्पर्श - प्रिंसली रिचर्ड स. प्र(आईटी)

ग्रीक राजा मिडास ने एक सैटायर के लिए एक अच्छा काम किया। इसने शराब के देवता डायोनिसस को उसकी इच्छा पूरी करने के लिए प्रेरित किया। मिडास ने कहा कि वह जिस किसी चीज को छुए वह सोने में बदल जाए। डायोनिसस ने उसे ऐसा न करने की चेतावनी दी, लेकिन मिडास को प्रभावित नहीं किया जा सका। मिडास ने उत्साह में आकर हर चीज को छूना और उसे सोने में बदलना शुरू कर दिया। जल्द ही, उसे भूख लगने लगी। लेकिन वह कुछ भी नहीं खा सका क्योंकि उसका खाना भी सोने में बदल गया था। उसकी प्यारी बेटी ने उसे संकट में देखा और उसे गले लगाने के लिए दौड़ी। हालाँकि, वह भी सोने में बदल गई। तब उसे एहसास हुआ कि सुनहरा स्पर्श कोई आशीर्वाद नहीं था। **नैतिक: लालच व्यक्ति को पतन की ओर ले जाता है।**

दूरदर्शन के पुराने दिनों की यादें

2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में 19500 से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हैं। इनमें 121 प्रमुख भाषाएँ हैं, जिन्हें 10000 से ज़्यादा लोग बोलते हैं। 2001 की जनगणना में, 122 प्रमुख भाषाएँ थीं। एक दशक की अवधि में, 1 प्रमुख भाषा कैसेट से छूट गई।

हडको में ई-ऑफिस प्रणाली - राधा शिवगुरु, व.प्र (वित्त)

डिजिटल प्रशासन की दिशा में कदम

भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के तहत विभिन्न सरकारी संगठनों में ई-ऑफिस प्रणाली को लागू किया गया है। हडको भी इस दिशा में आगे बढ़ते हुए ई-ऑफिस प्रणाली को अपना रहा है। ई-ऑफिस, एक ऐसी डिजिटल प्रणाली है जो सरकारी कामकाज को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, और कागजमुक्त बनाती है। हडको के लिए, यह प्रणाली आवास और शहरी विकास परियोजनाओं के प्रबंधन और निगरानी में दक्षता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ई-ऑफिस क्या है?

ई-ऑफिस एक इलेक्ट्रॉनिक फ़ाइल प्रबंधन प्रणाली है, जिसका उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में मैनुअल फ़ाइल प्रोसेसिंग को डिजिटल बनाना है। हडको में, ई-ऑफिस फ़ाइलों की ट्रैकिंग, दस्तावेज़ों का संग्रहण, और डेटा की त्वरित पुनःप्राप्ति जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है। इससे कार्यालय कार्यों में स्वचालन बढ़ता है और समय की बचत होती है।

हडको में ई-ऑफिस के लाभ

1. कार्यकुशलता में सुधार: ई-ऑफिस सिस्टम के ज़रिए हडको में फाइलें इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रसारित होती हैं, जिससे कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ती है और प्रक्रिया में तेज़ी आती है।

2. पारदर्शिता और जवाबदेही: फ़ाइलों की ट्रैकिंग और उनके इतिहास को डिजिटल रूप में देखा जा सकता है, जिससे कार्यों की पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और जवाबदेही में वृद्धि होती है।

3. कागज रहित कार्यालय: पेपरलेस वर्किंग मॉडल को अपनाने से हडको के दैनिक कार्यों में कागज का उपयोग कम हो गया है, जो पर्यावरण संरक्षण में सहायक है।

4. रियल-टाइम मॉनिटरिंग: प्रोजेक्ट्स और दस्तावेजों की वास्तविक समय में निगरानी करना अब संभव है, जिससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब को कम किया जा सकता है।

विश्व हिंदी दिवस हर साल 10 जनवरी को दुनिया भर में **हिंदी** के उपयोग को बढ़ावा के लिए मनाया जाता है।

हडको में ई-ऑफिस के मुख्य घटक

1. फाइल ट्रांसफर: इलेक्ट्रॉनिक फ़ाइल मूवमेंट सिस्टम के माध्यम से फ़ाइलें हडको के विभिन्न विभागों के बीच आसानी से भेजी जाती हैं।

2. डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम: यह प्रणाली सभी दस्तावेजों को एक केंद्रीय डिजिटल भंडार में संग्रहित करती है, जिससे उन्हें आसानी से ढूंढा और प्राप्त किया जा सकता है।

3. प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग: हडको के बड़े प्रोजेक्ट्स की प्रगति की नियमित निगरानी ई-ऑफिस द्वारा होती है, जिससे परियोजनाओं की समयसीमा और गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।

चुनौतियाँ और समाधान

ई-ऑफिस प्रणाली के कार्यान्वयन में तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जैसे कर्मचारियों को नई प्रणाली के प्रति प्रशिक्षित करना और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना। हालाँकि, हडको ने इन चुनौतियों को सफलतापूर्वक हल किया है और अब यह प्रणाली उनके कार्यों में प्रमुख भूमिका निभा रही है।

निष्कर्ष

हडको में ई-ऑफिस प्रणाली का कार्यान्वयन एक डिजिटल क्रांति की दिशा में बड़ा कदम है। इससे कार्यालय कार्यों में दक्षता, पारदर्शिता, और समय की बचत हुई है, जो हडको को और अधिक संगठित और परिणामोन्मुखी बनाती है। आने वाले समय में, यह प्रणाली हडको के सभी प्रोजेक्ट्स और सेवाओं को और अधिक कुशल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

1950 में यह निर्णय लिया गया कि अंग्रेजी का प्रयोग 26 जनवरी 1965 तक समाप्त कर दिया जाएगा, जो कि भारत के संविधान को अपनाने की तिथि से 15 वर्ष बाद होगा।

मेरी कोडईकनाल यात्रा - जी वेंकटरामन, सुपुत्र. एच वी गणेस हरिहरन, प्र.वि

हर कोई अपने जीवन में अनेक यात्राएं करता है। लेकिन उनमें से कुछ यात्राएं हम कभी भी भुला नहीं पाते। गर्मियों की छुट्टियाँ थी। हमारे परिवार नें कोडईकनाल घूमने का प्रोग्राम बनाया। सबसे पहले हम वंदे भारत ट्रेन से मदुरै पहुंचे। मदुरै से हमने टैक्सी ली और कोडईकनाल पहुँच गए। एक होटल किराए पर लेकर सबसे पहले हमने अपनी थकावट उतारी। अगले दिन हमने सुबह सुबह सिल्वर कैसकेड फाल्स का दौरा किया। वहाँ का नज़ारा वास्तव में बहुत ही सुंदर और देखने लाइक है। वह चांदी की तरह चमक रहा था। उसके साफ झरने और उस पर गिरती सूरज की रौशनी उसे एक अलग ही खूबसूरती दे रही थी। उसके बाद हम वहीं से पुष्प प्रदर्शनी देखने गए। वहाँ सौ से अधिक क़िस्मों के फूल खिले हुए थे। खूबसूरती ऐसी की उन्हे देख कर किसी का भी मन प्रसन्न हो जाए। शो में अलग अलग किस्म के, अलग अलग रंगों से, अलग अलग आकार के फूल खिले हुए थे। इनमें से कुछ तो दुर्लभ प्रजाति के भी थे। सच कहूँ तो मैंने आज तक ऐसा नज़ारा न देखा था। अब सूरज कुछ ढल चुका था, लेकिन हमारा मन अभी नहीं भरा था। अब हमने बोटिंग का आनंद लिया।

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर हम भगवान मुरूगन के कुरंजी आढ़ावर मंदिर के दर्शन के लिए निकल पड़े। यह मंदिर पूरी तरह से कुरंजी फूलों के पौधों से घिरा हुआ है। इस फूल की एक खासियत होती है कि यह बारह साल में एक बार ही खिलते हैं। हमारी किस्मत अच्छी थी कि हमें कुछ कलियाँ और फूल देखने को मिले। शाम के समय हमने ब्रायंट पार्क का प्रोग्राम बनाया। वास्तव में यह एक बड़ा लान है जिसमें कई तरह के खूबसूरत फूल खिले हुए थे। इस खूबसूरत बगीचे में एक फ्रेंच शैली का मैरी गो राउंड है। हमारा मन तो अभी भी नहीं भरा था पर हमें वापस तो लौटना ही था। हम अगली सुबह मदुरै के लिए निकल पड़े और अपने मन में कोडईकनाल की कभी न भूल सकनें वाली यादों के साथ वापस चेन्नै आ गए। सच कहूँ तो मैंने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया और यह यात्रा मेरे जीवन की कभी न भूल सकने वाली यात्रा बन गई।

26 अगस्त 2022 को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय हिंदी सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन होटल जेम पार्क, ऊटी में किया गया। बैठक का पूरा समन्वय हडको द्वारा किया गया और चेन्नै क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से बैठक के आयोजन का सम्पूर्ण प्रशासनिक सहयोग किया गया

तमिलनाडु का योगदान

माता पिता गुरु भगवान

माता पिता गुरु भगवान

प्राचीन कला

प्रकृति

महान व्यक्तित्व